

राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

सत्यमेव जयते



हैवानों की शिकार बनी महिला हारी जिंदगी की जंग रिम्स को जल्द मिलेंगे 21 नए स्पेशलिस्ट डॉक्टर

हजारीबाग की है घटना, 15 दिनों बाद अस्पताल में महिला ने तोड़ा दम

बदमाशों ने दुर्कर्म के बाद जला दिया था जिंदा

रिम्स के सर्जरी वार्ड में चल रहा था इलाज

नवीन मेल संवाददाता। रांची हजारीबाग के चरही में बोते साथ जनवरी को एक महिला के साथ कुछ बदमाशों ने सामूहिक दुर्कर्म का प्रयास किया। साथ ही उसका हाथ बांधकर जिंदा जला दिया। गंभीर रूप से झुलसी महिला को रिम्स में भर्ती कराया, जहां वह मौत से जंग लड़ रही थी। आखिरकार 15 दिन बाद रविवार को उसने दम तोड़ दिया। पीड़ित



के पिता ने बताया कि पिछले 15 रहा था। डॉक्टरों ने पहले ही बता दिया था कि उसकी बेटी 70 फीसदी जल चुकी है, ऐसे में उसका बचना मुश्किल है। उन्होंने

रहा था। डॉक्टरों ने पहले ही बता दिया था कि उसकी बेटी 70 फीसदी जल चुकी है, ऐसे में उसका बचना मुश्किल है। उन्होंने

आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है। उनकी बेटी ने मजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया था कि उसके पति के दो भाइजे और पड़ोसियों समेत चार लोगों ने उसके द्वारा समेत चार प्रयास किया और खट्टिया में बांधकर उसे जिंदा जलाने की कोशिश की।

पुलिस ने पीड़ित परिवार को इंसाफ का भरोसा दिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की गिरफ्तारी की कोशिश जारी है। पुलिस को तीन नेफ्रोलॉजिस्ट और तीन प्लास्टिक सर्जन समेत 21 नए डॉक्टर मिलने वाले हैं। इसके लिए प्रबंधन ने कार्य शुरू कर दिया है। इसमें प्लास्टिक सर्जनों तीन, न्यूरोलॉजी दो, मेंडिकल और कोलोर्जी चार, सर्जिकल और कोलोर्जी दो, आरेस शर्मा की निगरानी में चल

तीन नेफ्रोलॉजिस्ट और तीन प्लास्टिक सर्जन करेंगे ज्वाइन

ओपीडी से लेकर इनडोर तक मरीजों को मिलेगी राहत

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखण्ड के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल के सबसे बड़े सरकारी रिम्स को तीन नेफ्रोलॉजिस्ट और तीन प्लास्टिक सर्जन समेत 21 नए डॉक्टर मिलने वाले हैं। इसके लिए प्रबंधन ने कार्य शुरू कर दिया है। इसमें प्लास्टिक सर्जनों तीन, न्यूरोलॉजी दो, मेंडिकल और कोलोर्जी चार, सर्जिकल और कोलोर्जी दो, आरेस शर्मा की निगरानी में चल



नेफ्रोलॉजी तीन, पेड़ियाट्रिक सर्जरी तीन, नियोनेटोलॉजी तीन और एक अन्य शमिल हैं। 21 स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की बहाली जाएगी। इसमें प्लास्टिक सर्जनों तीन, न्यूरोलॉजी दो, मेंडिकल और कोलोर्जी चार, सर्जिकल और कोलोर्जी दो, आरेस शर्मा की नियुक्ति के लिए 27 जनवरी को बाक इन इंटरव्यू रखा गया है।

बीते माह भी मिले थे चार नए डॉक्टर

इससे पहले बीते दिसम्बर माह में भी रिम्स प्रबंधन ने 4 नए डॉक्टर की बहाली की थी। जिसमें डैंटल कालेज के लिए तीन एसोसिएट प्रोफेसर भी शामिल हैं। पीरियोटोलॉजी एंड ओरल इन्स्ट्रोटोलॉजी में डॉ. शिवांग जूनियर और अर्जी, कंजर्वेटिव इंडोरेटोलॉजी एंड एथेटिक डेंटिस्ट्री में डॉ. गौरव कुमार और अथोडोटोलॉजी एंड डॉक्टोरेटोलॉजी में डॉ. अभय कुमार जैन है। वहाँ, न्यूरोलॉजी में एक सीनियर रेजिडेंट डॉ. रितु राशि को नियुक्त किया गया है।

NEWS इन ब्राइफ

मुठभेड़... बंदी

चाईबासा में सुरक्षा बलों और पीएलएफआई के बीच मुठभेड़

सर्व आपरेशन के दौरान आधी रात को हुई मुठभेड़

दोनों ओर से करीब 30-35 रातंड हुई फायरिंग

नवीन मेल नेटवर्क। रांची परिचयी सिंहभूम जिले के बंदागांव थाना क्षेत्र के बांगुर जंगल में शनिवार की रात सुरक्षा बलों व पीएलएफआई उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। दूसरी ओर रविवार को नक्सलियों के झारखण्ड बंद की घोषणा को देखते हुए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सभी जिले को पुलिस अलर्ट पर रही।

नवीन मेल नेटवर्क। रांची 15 लाख के इनामी भाकपा माओवादी के रिजनल कमिटी में बर सह उत्तरी छोटानगपुर जोनल कमिटी के सचिव कृष्ण हांसदा की गिरफ्तारी के विवेद तरह सभी खदानों में उत्पादन व माल दुर्लाइ का कार्य नामान्य रहा। इधर, बंद को देखते हुए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सभी जिले की पुलिस अलर्ट पर रही।

जानकारी के अनुसार आधी रात के करीब जिला पुलिस व सीआरपीएफ के साथ पीएलएफआई उग्रवादियों की उस समय मुठभेड़ हो गई जब सुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इस दौरान वे दोनों और से करीब 30-35 रातंड फायरिंग भी हुई। छालाकि, सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख जानले व अंदेरे का फायदा उठाकर उग्रवादी भागने में सफल रहे। सुरक्षाबलों ने सर्व अधियान में एक 315 ओर का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि जिले के घोर नक्सल प्रभावित बांगुर जंगल में दिकी लात गांव के समीप पीएलएफआई नक्सलियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि जिले के घोर नक्सल प्रभावित बांगुर जंगल में दिकी लात गांव के समीप पीएलएफआई नक्सलियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

राज्य में माओवादी बंदी का दिखा मिलाजुला असर

रांची मार्ग की बसें रहीं बंद, खनन गतिविधियां रहीं सामान्य

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सभी जिले की पुलिस रहीं अलर्ट पर

नवीन मेल नेटवर्क। रांची 15 लाख के इनामी भाकपा माओवादी के रिजनल कमिटी में बर सह उत्तरी छोटानगपुर जोनल कमिटी के सचिव कृष्ण हांसदा की गिरफ्तारी के विवेद तरह सभी जिले की पुलिस अलर्ट पर रही।

जानकारी के अनुसार आधी रात के करीब जिला पुलिस व सीआरपीएफ के साथ पीएलएफआई उग्रवादियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि जिले के घोर नक्सल प्रभावित बांगुर जंगल में दिकी लात गांव के समीप पीएलएफआई नक्सलियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि जिले के घोर नक्सल प्रभावित बांगुर जंगल में दिकी लात गांव के समीप पीएलएफआई नक्सलियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि जिले के घोर नक्सल प्रभावित बांगुर जंगल में दिकी लात गांव के समीप पीएलएफआई नक्सलियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि जिले के घोर नक्सल प्रभावित बांगुर जंगल में दिकी लात गांव के समीप पीएलएफआई नक्सलियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि जिले के घोर नक्सल प्रभावित बांगुर जंगल में दिकी लात गांव के समीप पीएलएफआई नक्सलियों का एक गुप्त अने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटना के बाद 109 बटालियन सीआरपीएफ, जैप और झारखण्ड का रायफल, जिंदा गोली व दैनिक उपयोग की समझी को बरामद किया है।

परिचयी सिंहभूम जिला के एसपी अशुतोष शेखर ने

तीन बदमाशों ने युवक से मार पीटकर जेरात लूटी

रांची। तिलैया के रहने वाले महेंद्र कुमार वर्मा से तीन बदमाशों ने पीटकर की और उनसे नगदी समेत 60 हजार रुपए के जेरात की छिनवत कर ली। इस संबंध में महेंद्र ने सदर थाने में दिपू, सनी व अन्य लोगों के खिलाफ सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। महेंद्र ने आरोप लगाया है कि वह प्रतिनिधि गाँव से गिरिडी विजय रथ गाड़ी का पीछालन करवाता है। बीते 21 जनवरी को दोनों बदमाश पहुंचे और उनके साथ मारपीट करने लगे। इसी क्रम में बदमाशों ने उसे 20 हजार रुपए नगदी की अलावा 40 हजार रुपए की अलावा 40 हजार रुपए की अलावा को सोने का चेन की छिनवत कर ली।

कमेटी में एक जुटता बनाए रखने की जरूरत है : रामानंद बेदिया

सिल्ली। सिल्ली प्रबुंड शास्त्री की एक बैठक की आयोजन रामपुर पुल घाट पर रविवार को किया गया। जिसमें तिन पंचायत स्तर कमेटी का गठन किया गया। हाकेदार पंचायत अध्यक्ष दिलीप बेदिया उपाध्यक्ष योगेंद्र लाल माझी सचिव अर्जुन बेदिया कोषाध्यक्ष रघुनाथ बेदिया आदि सदस्य चुना गया। वहाँ पिसका एवं हलमाद में भी कमेटी का गठन किया गया। सदस्यों को संबोधित करते हुए ज्ञानमों के गाँवीं जिला उपाध्यक्ष सह विद्यासभा प्रभारी रामानंद बेदिया को कहा कि कमिटी में एक जुटता बनाए रखने वाला बहुत ही जरूरी है सभी सदस्य अपने अपने कर्तव्य को सही ढंग से पालन करें जो भी गांव की समस्या होगी उस कमेटी के माध्यम से समाधान करें।

आमसभा का आयोजन

सिल्ली। सिल्ली के राधा माधव आश्रम में सबका कायाकास के तहत लाउंग पंचायत की जीपोडीपी की पंचायत स्तरीय आम सभा का आयोजन किया गया। आम सभा की अध्यक्षता ग्राम प्रधान पद्मावती देवी ने की। आमसभा में सर्व सम्पति से पंचायत के विभिन्न गांव के लिये आजीविका एवं सामाजिक योजनाओं का चयन किया गया। योजनाओं में 15वें वित मद से बनने वाले चबूतरा नाली, कुआं, आजीविका योजनाओं में दोदी बाड़ी, बकरी व पशुपालन की योजनाएं व शेड का निर्माण समेत योंगाँवों का चयन किया गया।

स्व. कुणाल कुमार मेमोरियल फ्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

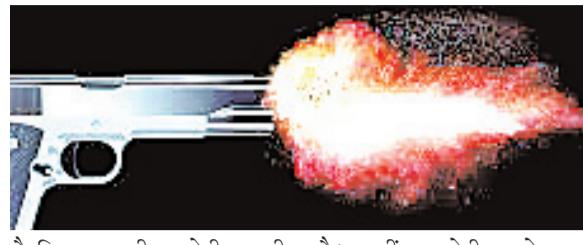
सिल्ली। सिल्ली ग्राम प्रधान विद्यालय मैदान में रविवार को स्व. कुणाल कुमार मेमोरियल एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जात हो कि सिल्ली के पाठाका गांव निवासी 31 वर्षीय कुणाल कुमार का पिछले 15 अप्रैल 2022 को आकारिक निवास गया था विनियोगी के जाने माने किंकेट खिलाड़ी ये उनके साथी खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता का आयोजन किया।

प्रतियोगिता में रांची, बोकरी, ज्ञालावा, मुरी समेत आसपास के कुल आठ टिमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मैच अब्दु इलेवन ज्ञालावा और भानू इलेवन सिल्ली के बीच खेला गया। जिसमें भानू इलेवन ने निर्णयी 5 ओवर में 7 विकेट खोकर 55 रन बनाया।

ज्ञामुमो सिल्ली प्रखंड का तीनों पंचायत कमेटी का गठन

सिल्ली। रविवार को रामपुर पुल घाट के समीप सिल्ली प्रखंड अंगरेज पंचायत-हालमाद, हाकेदार और पिसका का ज्ञामुमो पंचायत कमेटी का गठन रांची जिला उपाध्यक्ष सह सिल्ली विद्यासभा प्रभारी रामानंद बेदिया एवं सिल्ली ज्ञामुमो प्रखंड कमेटी के नेतृत्व में किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि हम लोग अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निश्च लगन और ईमानदारी के साथ करेंगे। और पार्टी की मजबूती करेंगे।

जमीन ब्रोकर को गोली मारने के मामले में सात पर केस दर्ज



नवीन मेल संवाददाता। रांची काके के होचर ब्रिज के पास जमीन कारोबारी राजू साहू को गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस जांच में जुट गयी है। इस मामले में जमीन कारोबारी राजू के बायान पर सात लोगों के खिलाफ सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। महेंद्र ने आरोप लगाया है कि वह प्रतिनिधि गाँव से गिरिडी विजय रथ गाड़ी का पीछालन करवाता है। बीते 21 जनवरी को दोनों बदमाश पहुंचे और उनके साथ मारपीट करने लगे। इसी क्रम में बदमाशों ने उसे 20 हजार रुपए नगदी की अलावा 40 हजार रुपए की अलावा को सोने का चेन की छिनवत कर ली।

कमेटी में एक जुटता बनाए रखने की जरूरत है : रामानंद बेदिया

सिल्ली। सिल्ली प्रबुंड शास्त्री की एक बैठक की आयोजन रामपुर पुल घाट पर रविवार को किया गया। जिसमें तिन पंचायत स्तर कमेटी का गठन किया गया। सदस्यों को संबोधित करते हुए ज्ञानमों के गाँवीं जिला उपाध्यक्ष सह विद्यासभा प्रभारी रामानंद बेदिया एवं रामलाल साहू को आयोजन किया गया। सदस्यों को संबोधित करते हुए ज्ञानमों के गाँवीं जिला उपाध्यक्ष सह विद्यासभा प्रभारी रामानंद बेदिया एवं रामलाल साहू को आयोजन किया गया। जिसमें तिन पंचायत स्तर कमेटी का गठन किया गया।

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले, उसी से अंवयक्ति के अध्यक्ष सत्य प्रकार को किया गया ?

प्रकार जोड़ा जाए और उसके परिवार को किया गया ?

किसी भी समस्या का समाधान तुरन्त कैसे निकले,

हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की निःशुल्क काल सुविधा में बदलाव रांची। झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को दूषभाष प्रधिकार की ओर से अनुमान्य निःशुल्क काल संख्या के अलावा 1500 रुपये का निःशुल्क काल की सुविधा प्रदान करने के प्रावधान में संशोधन किया गया है। अब प्रति माह अनुमान्य 1500 रुपये के प्रावधानित सीमा के अंदर निःशुल्क काल की सुविधा के साथ एटीटीए पंच, फाइबर टू द हाम तथा इंटरनेट, काल सेवा के अन्य माध्यम के बाप भी जुड़े होंगे।

होली फेथ पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह

कड़ा। होली फेथ पब्लिक स्कूल कड़ा के अधिकारी समेल में मुख्य अधिकारी पूर्ण विधायक सुविधावाल भगत ने कहा की विद्या सभसे बड़ा धन है। शिक्षा के माध्यम से ही हम प्रगति कर सकते हैं। शिक्षकों और अधिकारियों के बाप की बच्चों पर अपनी इच्छा नहीं थीं। उन्हें स्वाक्षरित रूप से अपनी प्रतिभा के अनुसार अपने बढ़ावे दें। उन्हें प्रत्याहित कर उनके मनोबल को बढ़ाएं। बच्चों को फ़ैदा प्रदाने पर विशेष बल दें तुम हाँ कही रखिए। उन्हें एप्नाएं, जीएनएम,

शिक्षा व्यवस्था में सुधार

झारखंड के स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति का आंकड़ा घटना यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं हमारी शिक्षा व्यवस्था में गिरावट आयी है। कुछ आंकड़े पर गौर करें, तो हाई स्कूल में 58 और प्राइमरी स्कूलों में 68 फीसदी रह गये हैं बच्चे। कोरोना महामारी के बाद झारखंड के स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति काफी घट गयी है। पुनः इसकी गूंज सुनाई पड़ने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन हाल के दिनों में कोरोना की उपस्थिति ने पुनः लोगों के माथे पर एक बार सिलवर्टें पैदा कर दी है। ऐसी स्थिति में अलर्ट रहने की जरूरत है। हाई स्कूलों छठी से आठवीं तक की कक्षा और प्राथमिक विद्यालयों में उपस्थिति का दर चौंकाने वाला है। अर्थास्त्री ज्यां द्रेज द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। यह रिपोर्ट राज्य सरकार द्वारा 16 जिलों में संचालित 138 स्कूलों में किये गये एक सर्वे पर आधारित है। द्रेज की माने तो यह सर्वेक्षण से यह प्रदर्शित होता है कि वर्चित और आदिवासी बच्चे शिक्षा विभाग द्वारा असहाय छोड़ दिये गये हैं। स्कूल दो साल बंद रहे, लेकिन बच्चों के लिए जितना किया जाना चाहिए नहीं हो सका। जिस कारण यह स्थिति सामने आयी है। इस अवधि के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के बल मजाक बन कर रह गई,

क्योंकि सरकारी स्कूलों में 87 प्रतिशत छात्रों की पहुंच स्मार्टफोन तक नहीं थी। हालांकि सरकार के द्वारा यह व्यवस्था की गई है, लेकिन वह नाकाफ़ी है। ऐसे में हमारी यात्रा की पगड़ियों में आज भी कई रोड़े अटके हुए हैं। शिक्षा विभाग द्वारा चर्चित और आदिवासी बच्चों को असहाय अवस्था में छोड़ा जाना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। महामारी के बाद छात्रों की सीखने की क्षमता और स्कूलों में उपस्थिति में कमी आई है। जो आज भी बरकरार है। ऐसी स्थिति में खेल को बढ़ावा देकर और मनोरंजन गतिविधियों को बढ़ाकर छात्रों की उपस्थिति बढ़ाई जा सकती है। हालांकि पहले की अपेक्षा छात्रों को स्कूलों में वापस लाया जा रहा है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं माना जा सकता है। यह चर्चा यहाँ इसलिए जरूरी हो जाती है कि कोरोना पूरी तरह गया नहीं है। कभी भी इसकी वापसी हो सकती है। ऐसी स्थिति में इसकी तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए। दूसरी बात यह कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए झारखंड सरकार द्वारा स्थापित एक स्वायत्त निकाय है। जबकि कक्षा एक से पांच तक प्राथमिक स्तर की शिक्षा है। कक्षा 06 से 08 में उच्च-प्राथमिक स्तर शामिल है। लगभग 40 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालयों का सर्वेक्षण किया गया। ये सभी अस्थायी शिक्षकों द्वारा चलाए जा रहे हैं। पारा शिक्षकों के पास नियमित शिक्षकों की तुलना में कम योग्यता और कम प्रशिक्षण है, और यह संदेहाप्पद है कि क्या वे अधिक जवाबदेह हैं।

दूसरों की खुशी के लिए खुद कष्ट सहते थे सुभाष बाबू

महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस दूसरों के दुख-दर्द को अपना दुख-दर्द समझने वाले सर्वेदनशील शख्स तो थे ही, साथ ही एक वीर सैनिक, एक महान सेनापति और राजनीति के अनुद्धुत खिलाड़ी भी थे। उनसे जीवन से जुड़े अनेक ऐसे प्रसग हैं, जिनसे उनकी उदारता, मित्रता, सर्वेदनशीलता, दूरदर्शिता स्पष्ट परिलक्षित होती है। भारत की आजादी के संघर्ष में उनके नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज के योगदान को सदैव सराहा जाता है लेकिन एक बार उनकी इसी फौज में एक साम्प्रदायिक विवाद ने जन्म ले लिया था। दरअसल फौज के मुस्लिम भाईयों का विरोध था कि मैंस में सूअर का मांस नहीं बनेगा जबकि ह्याजाद हिन्द फौजह के हिन्दू साथी गाय का मांस इस्तेमाल करने का प्रखर विरोध कर रहे थे। विवाद बढ़ने पर जब यह सारा वाकया नेताजी के समक्ष आया तो उन्होंने सारे प्रकरण को गहराई से समझते हुए अगले दिन इस पर अपना फैसला सुनाने को कहा। चूँकि वे फौज के सर्वेसर्वा थे तो स्पष्ट था कि उनका निर्णय ही अंतिम निर्णय होना था। अंततः दूरदर्शिता का परिचय देते हुए उन्होंने अगले दिन ऐसा निर्णय सुनाया कि हिन्दुओं तथा मुसलमानों के बीच पनपा विवाद स्वतः ही खत्म हो गया। अपने फैसले में उन्होंने कहा कि भविष्य में 'आजाद हिन्द फौज' की मैस में न तो गाय का मांस पकेगा, न ही सूअर का। जब सुभाष स्कूल में पढ़ने जाया करते थे, तब उनके स्कूल के पास ही एक असहाय वृद्ध महिला रहती थी। सुभाष से उसका दुख देखा नहीं गया और प्रतिदिन स्कूल में वे लंच के लिए अपना जो टिफिन लेकर जाते थे, उसमें से आधा उन्होंने उस वृद्ध महिला को देना शुरू कर दिया। एक दिन उन्होंने देखा कि वह महिला बहुत बीमार है। करीब 10 दिनों तक उन्होंने उस वृद्ध महिला की सेवा कर उसे ठीक कर दिया। इसी प्रकार जब वे कॉलेज जाया करते थे, उन दिनों उनके घर के ही सामने एक वृद्ध

औपनिवेशिक काल में सूचना का तंत्र टेलीग्राम और टेलेक्स हुआ करता था और वर्ष 1919 भारतीय शासन अधिनियम पहला कानूनी दस्तावेज था जिसमें केंद्रीय सेवा का उल्लेख किया गया है और जिसके तहत कई और विभागों के साथ-साथ रेलवे और डाक-तार विभाग को भी रखा गया। औपनिवेशिक काल में लोक प्रशासन में कुशलता और अनुशासन के गुण विद्यमान थे। आदेशों की अवहेलना नहीं होती थी, उच्चाधिकारियों का चरित्र संदेश से परे था। कुशलता की वृद्धि से औपनिवेशिक कालीन भारतीय प्रशासन को विश्व में सम्मान की वृद्धि से देखा जाता था। इससे पहले मुगल साम्राज्य में सूचना के आदान-प्रदान के लिए खबरनवीस हुआ करते थे, जो चार भागों में बटे थे- वाक-ए-नवीस, सबानह-ए-निगर, खुफिया-ए-नवीस तथा हरकारह। आज की 21वीं सदी में संचार साधनों के बिना जीवन की कल्पना असंभव है। आदिकाल में कबूतरों, बाजों के माध्यम से संदेहवाहक घोड़ों की सवारी करके संदेश लेकर जाता था जिसमें कई दिन लग जाते थे। अब विज्ञान ने विकास कर लिया है जिसके कारण विश्व में किसी भी व्यक्ति से तुरंत बात की जा सकती है। इतना ही नहीं, बीडियो कान्प्रैंसिंग के माध्यम से आमने-सामने बात की जाती है जिसे भारत में सूचना क्रांति का नाम दिया गया है और इसके जनक पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को माना जाता है। संचार और सूचना के इन माध्यमों को स्थान दिया जाता है, जैसे-रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, ई-मेल, लैंडलाइन, टेलेक्स, मोबाइल फोन, टेलीग्राम, पेजर फैक्स आदि। यह जानकारी इसलिए, क्योंकि हम कितने विकसित हुए और इस विकास में कितना समय लगा, इसकी जानकारी देना एकमात्र उद्देश्य था। दरअसल, अब आज सूचना तंत्र विश्व सहित भारत में इतना विकसित हो गया है कि जिस क्रांति की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री

जयंती विशेष

का साने से लगात हुए कहा कि बेटा, मां दुर्गा की सच्ची पूजा तो वास्तव में तुम कर रहे हो। सुभाष चंद्र बोस जब कॉलेज में पढ़ते थे, उस समय उनका एक दोस्त था, जो बंगाल की ही किसी छोटी जाति से संबंध रखता था। हॉस्टल में रहते हुए उसे एक बार चेचक हो गया छूत की बीमारी होने के कारण हॉस्टल के सभी साथी उसे उसके हाल पर अकेला छोड़ गये लेकिन सुभाष को यह बात पता चली तो उनसे यह सब देखा नहीं गया। वे उसके पास पहुंचे और स्वयं उसका इलाज शुरू कराया तथा प्रतिदिन उसे देखने जाने लगे। जब सुभाष के पिता को यह सब पता चला तो उन्होंने सुभाष को समझाया कि यह छूत की बीमारी है और तुम्हें भी लग सकती है, इसलिए उस लड़के से दूर रहा करो किन्तु सुभाष ने जवाब दिया कि उन्हें पता है कि यह छूत की बीमारी है किन्तु संकट की घटी में मित्र ही मित्र के काम आता है।

..ताकि वह 'खबर' ही रहे, सनसनी न बने



निश्चिकात ठाकुर

जागरण के प्रधान संपादक नरेंद्र मोहन (अब स्वर्गीय) ने मोर्चा संभालते हुए कहा, जो लोग टेलीविजन के नाम पर इतना डर आपके दिल-ओ-दिमाग में पैदा कर रहे हैं, वह सही नहीं हैं। समाचार-पत्र एक लिखित प्रपत्र (डॉक्यूमेंट) है, जिसे आप छुरुला नहीं सकते, लेकिन टेलीविजन पर चले समाचारों को उस तरह का विश्वसनीय इस्लिएं नहीं मान सकते, क्योंकि यदि समाचारों के चलने के बाद कोई गलत समाचार चैनल चला रहा है, तो गलती का अहसास होने पर वह उसे तकाल बदल सकता है, जबकि प्रिंट के मामले में ऐसा नहीं हो सकता। प्रिंट वाले इस बात का ध्यान रखें कि खबरों के एक-एक शब्द का महत्व होता है, क्योंकि एक शब्द के द्वारा आप किसी को कितना आघात पहुंचा देते हैं, इसका एहसास आपको करना ही होगा, आपको संवेदनशील बनना ही होगा। अखबारी साख क्या चीज है, इसे समझाये हुए उनका कहना था कि जिस प्रकार अखबार का मत्था (मास्ट हेड्स) इस बात को दर्शाता है कि यह इस नाम का अखबार है, जिस प्रकार उस मास्ट हेड्स के नीचे तारीख होती, वह यह दर्शाती है कि यह आज का अखबार है; क्योंकि अखबार पर लिखा हुआ है कि यह आज की तारीख का अखबार है, इसलिए आज यही तारीख है। सुग्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रिंट मीडिया की तरह न्यूज चैनल के लिए प्रेस काउंसिल जैसी चीज नहीं है।

ही आदर किया। इसके बाद भूगुणिष्य जी के पास गए। विष्णु भगवान विश्राम कर रहे थे और माता लक्ष्मी उनके पैर दवा रही थी। भूगुण ने पहुंचते ही न कुछ कहा, न सुना और भगवान विष्णु की छाती पर पैर से प्रहार कर दिया। लक्ष्मी जी यह सब देखकर चकित रह गयी किन्तु विष्णु भगवान ने भूगुण का पैर पकड़कर विनीत भाव से कहा-मुनिवर! आपके कोमल पैर में चोट लगी होगी। इसके लिए क्षमा करें। लक्ष्मी जी को भगवान विष्णु की इस विन्रमता पर बड़ा क्रोध आया। वह भगवान विष्णु से नाराज होकर भू-लोक में आ गयी तथा कोल्हपुर में रहने लगीं। लक्ष्मी जी के चले जाने से विष्णु भगवान को लगा कि उनका श्री और वैभव ही नष्ट हो गया और उनका मन बड़ा अशांत रहने लगा। लक्ष्मी जी को ढूँढ़ने के लिए वह श्रीनिवास के नाम से भू-लोक आये। घूमते-घुमाते वेंकटचरल पर्वत क्षेत्र में बकुलामाई के आश्रम में पहुंचे। बकुलामाई ने उनकी बड़ी आवाभगत की। उन्हें आश्रम में ही रहने को कहा। एक दिन जंगल में एक मतवाला हाथी आ गया। आश्रमवासी डरकर इधर-उधर भागने लगे। श्री निवास ने यह देखा तो धनुष-बाण लेकर हाथी का पीछा किया हाथी डरकर भागा और घने जंगल में अदृश्य हो गया। श्री निवास उसका पीछा करते-करते थक गये थे।

बोधि वृक्ष

ईए सुनें विष्णु की कहानी

क बार भृगु ऋषि ने जानना चाहा कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश में कौन बड़ा बसे सर्वश्रेष्ठ हैं? वह बारी-बारी उत्तर देकर पास गये। ब्रह्मा और महेश ने भृगु को पहचाना तक नहीं, नहीं आदर किया। इसके बाद भृगु विष्णु जी के पास गए। विष्णु भगवान विश्राम कर रहे थे और उत्तमा लक्ष्मी उनके पैर दबा रही थी। भृगु ने पहुंचते ही न कुछ कहा, न उन्ना और भगवान विष्णु की छाती से उत्तर पैर से प्रहार कर दिया। लक्ष्मी नींदी यह सब देखकर चकित रही। किन्तु विष्णु भगवान ने भृगु का उत्तर पैर पकड़कर विनीत भाव से उठा कर दिया। उन्होंना भृगु को बहुत लहराया। अपाके कोमल पैर से चोट लगी होगी। इसके लिए उन्होंना करें। लक्ष्मी जी को भगवान विष्णु की इस विव्रमता पर बड़ी नींद आया। वह भगवान विष्णु से उत्तराज होकर भू-लोक में आ गयी। वह कोल्हापुर में रहने लगी। लक्ष्मी जी के चले जाने से विष्णु भगवान को लगा कि उनका श्रीमान और वैभव ही नष्ट हो गया। और उनका मन बड़ा अशांत रहने लगा। लक्ष्मी जी को ढूँढने के लिए वह श्रीनिवास के नाम से भू-लोक समझा जा सकता है। देश में गैरिक भजपा वोटरों का विशाल भंडार है। उन्होंने अंतर्राजीवी निवास के नाम से भू-लोक समझा जा सकता है। देश में गैरिक भजपा वोटरों के खिलाफ सर्वधिक वर्त क्षेत्र में बकुलामाई के आश्रम पहुंचे। बकुलामाई ने उनकी डड़ी आवाहन दिया। उन्हें आश्रम में ही रहने को कहा। एक दिन जंगल में एक मतवाला हाथी आया। आश्रमवासी डरकर झटके। धर भागने लगे। श्री निवास ने यह खाता धनुष-बाण लेकर हाथी का पीछा किया। हाथी डरकर भागा। और घने जंगल में अदृश्य हो गया। श्री निवास उसका पीछा करते-रहते थक गये थे।

(क्रमशः)

भाजपा के खिलाफ कितना मुफीद होगा गैर कांग्रेस गठबंधन?



यशोदा श्रीवास्तव

यशोदा श्रीवास्तव

यूपी विधानसभा चुनाव में
उसे बुरी हार का सामना
करना पड़ा लेकिन इस
आधार पर उसे एकदम से
खारिज किया जाना उचित
नहीं है, जैसा कि सपा
मुखिया यदा-कदा कहते
रहते हैं कि कांग्रेस बहुत
छोटी पार्टी रह गई।

राजनीति

फोटो की दुनिया

मोदी को क्यों फिर से लाना है ?

5वीं सबसे
बड़ी अर्थव्यवस्था

राम मंदिर

काशी
विश्वनाथ मंदिर

महात्मा
गांधी

जल जीवन
मिशन

80 करोड़
को मुफ्त राशि

5 लाख का
हेत्थ बीमा

22 एम्स

किसानों को
6 हजार

10+ करोड़
शौचालय

मुद्रा लोन

एक्सप्रेसवे

एयरपोर्ट

ट्वीट-ट्वीट

Pappu Yadav ✅

@pappuyadavaipl

हे बागेश्वर जब रावण से बात कर सकते हो तो
जज लोया और हरेन पांड्या से बात कर बता दो उन्हें किसने मारा?

फेसबुक वॉल से

— 10 —

100

**घरवालों की डांट पड़े तभी
संभल जाना मेरे दोस्त, अगर
वक्त का तमाचा पड़ा तो
बहुत दर्द होगा।**

टकराई, तीन की मौत
गैरला-पेंडा-मरवाही। जिले के रत्नपुर थानांतरंगत धीरण सड़क हादसे में कार सवार तीन की जलकर मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शीय कार अनुसार तेज रप्तार कार अनीजित होकर पेड़ से जा टकराई, कार में आग गई। वहीं कार के सभी दरवाजे लॉक हो गए। अंदर बैठे तीन सवार किसी भी तरह से बाहर नहीं निकल सके। सभी कार सवारों की जलने से मौत हो गई।

सोन नदी में दो नावों के बीच टक्कर, 12 से अधिक मजदूर लापता पटना। पटना के मंगल थाना क्षेत्र के रामपुर दिवारा सोन नदी में रविवार को दो नावों के बीच आगे-सामने की टक्कर हो गयी। इस हादसे में एक नाव गोता खाक मजदूरों के साथ नदी में डूब गई। घटना में नाव पर सवार 12 से अधिक मजदूर पानी में डूब गये। सभी मजदूर लापता हैं। ग्रामीणों के अनुसार विरामपुर दिवारा के सोन नदी में दो नावों के बीच रविवार की अहले सुबह टक्कर हुई है। एक नाव पर बालू लदा हुआ था जबकि दूसरे नाव पर 12 से अधिक मजदूर सवार थे। घटना में बालू लदी नाव डूबने से बच गयीं जबकि मजदूरों से भी नाव सोन नदी की धारा में डूब गयी। फिलहाल, नाव पर सवार सभी मजदूर लापता है।

